वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 13 | गुरुवार 8 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

ब्लैकआउट: घरों-दुकानों की लाइट बंद रही

जयपुर में फ्लाइट्स-ट्रेनें भी रुकी; सीकर-कोटा समेत कई शहरों में एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल

ब्लैकआउट के दौरान जयपुर एयरपोर्ट पर 15 मिनट तक फ्लाइट संचालन बाधित रहा। इस दौरान 3 फ्लाइट्स को रोका गया। ब्लैकआउट के दौरान किसी भी फ्लाइट की लैंडिंग प्रभावित नहीं हुई।

जयपुर. कासं

राजस्थान में बुधवार रात को ब्लैकआउट एक्सरसाइज की गई। इस दौरान शहरों में 15 मिनट के लिए ब्लैकआउट किया गया। सबसे पहले शाम 7.30 बजे से 7.45 बजे तक अजमेर, बारां, डीडवाना और ब्यावर में ब्लैकआउट रहा। इस दौरान लोगों ने घरों-दुकानों और दफ्तरों की लाइट बंद रखी। सड़कों पर चल रही गाड़ियों की रफ्तार भी थोड़ी देर रुक गई। लोगों ने हेडलाइट बंद कर गाड़ियां सड़क पर रोक दी। ब्लैक आउट के दौरान कहीं पूरी तरह अंधेरा रहा तो कहीं लोगों ने लाइट बंद नहीं की। उत्तर-पश्चिम रेलवे के सभी स्टेशनों पर भी ब्लैकआउट के दौरान अंधेरा रहा। इस दौरान जिन ट्रेनों का स्टेशन पर ठहराव था, वे आगे के लिए रवाना नहीं हुई और 15 मिनट तक स्टेशन पर ही खड़ी रही। ब्लैकआउट के दौरान जयपुर एयरपोर्ट पर 15 मिनट तक फ्लाइट संचालन बाधित रहा। इस दौरान 3 फ्लाइट्स को रोका गया। ब्लैकआउट के दौरान किसी भी फ्लाइट की लैंडिंग प्रभावित नहीं हुई। इससे पहले राजस्थान में जयपुर, अजमेर, कोटा, सीकर, अलवर समेत कई शहरों में एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान हवाई हमले की चेतावनी वाला सायरन बजाया गया। जयपुर में एमआई रोड स्थित बीएसएनएल ऑफिस में एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल की गई। हवाई हमले की चेतावनी वाला सायरन बजाया गया। आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का अभ्यास किया गया। जयपुर में 8:30 से 8:45 तक ब्लैकआउट हुआ। पाकिस्तान से सटे बाड़मेर में एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल कर बाजार बंद किए गए। पुलिस ने लोगों से सहयोग करने की अपील की। जैसलमेर में भी सोनार किले के पास होटल पर हवाई हमले की मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान सायरन बजाकर लोगों को आगाह किया गया। उदयपुर में भारत पेट्रोलियम के गैस प्लांट पर एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ फायर ब्रिगेड और सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची। अलवर में डी-मार्ट पर एयर स्ट्राइक के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां चंद सेकेंड में ही मौके पर पहुंच गई। सीकर में बायो स्कोप मॉल में मॉक ड्रिल की गई। सूचना मिली कि यहां जेट के जरिए बम गिराए गए हैं। इस पर पुलिस की गाड़ियां, एंबुलेंस और दमकलें पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। कोटा में 4 बजते ही मॉक ड्रिल शुरू हुई। फायर ब्रिगेड सायरन बजाते हुए निकली। उधर, जयपुर जंक्शन समेत उत्तर-पश्चिम रेलवे के सभी स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अफवाहों से बचने के बारे में बताया जा रहा है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के समस्त स्टेशनों पर ब्लैकआउट के समय ट्रेनें भी रोकी जाएगी।

पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक का जश्न : हवामहल पर पर्यटकों और रनर्स क्लब के सदस्यों ने लगाए भारत माता की जय के नारे

जयपुर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हवामहल पर आज पर्यटकों और जयपुर रनर्स क्लब के सदस्यों ने एकत्रित होकर भारतीय वायुसेना की एयर स्ट्राइक की सफलता का जश्न मनाया। यहां मौजूद लोगों ने देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर भारत माता की जय के नारे लगाए। स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने एकजुटता दिखाते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। जयपुर रनर्स क्लब के सदस्यों ने इस अवसर पर तिरंगा लहराया और राष्ट्रगान का गायन किया। हवामहल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में यह समारोह देशभक्ति की भावना का प्रतीक बन गया। यह जश्न भारतीय वायुसेना द्वारा की गई सटीक कार्रवाई का प्रतीक है, जिसने देश की सुरक्षा को सुनिश्चित किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त किया और उनके साहस की सराहना की।

चन्द्र प्रभू महिला मण्डल श्योपुर की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

रत्नप्रभा पापड़ीवाल अध्यक्ष, अमिता साह मंत्री निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन महिला मंडल श्योपुर प्रतापनगर की कार्यकारिणी के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। इस मौके पर गठित नवीन कार्यकारिणी में सुशीला जैन पांड्या एवं इंदु दोषी संरक्षक, रत्नप्रभा पापड़ीवाल अध्यक्ष, अनीता दोषी उपाध्यक्ष, अमिता साह मंत्री, माधुरी जैन बोहरा कोषाध्यक्ष, मीनू जैन निमोडिया संयुक्त मंत्री, दिव्या बाकलीवाल सांस्कृतिक मंत्री, डिम्पल पाटनी संगठन मंत्री,रीता भारती जैन धार्मिक मंत्री, रसना जैन प्रचार प्रसार मंत्री, आशा जैन एवं शिखा जैन बनेठा को भण्डार मंत्री बनाया गया है। कार्यकारिणी सदस्या के रूप में सुशीला बिंदायका, अलका पाटनी, मीनाक्षी पाटनी, पारूल पाटनी, पायल सोनी, नीलकमल पाटनी, सीमा जैन एवं मंजू जैन को चुना गया है। इस मौके पर श्री चन्द्र प्रभू दिगंबर जैन मंदिर की प्रबंधकारिणी कमेटी द्वारा महिला मंडल की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष दिलीप पाटनी, उपाध्यक्ष मुकेश बनेठा, सांस्कृतिक मंत्री अजय साह, महिला मंडल संरक्षक सुशीला पाण्डया सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद थे।

भट्टारक जी की नसिया में मुनि 108 जयकीर्ति मुनिराज के सानिध्य में जयकारों के बीच हुआ जैन रामायण कथा के संगीतमय आयोजन के पोस्टर का विमोचन

गुलाबी नगरी जयपुर की पुण्य धरा पर पहली बार पद्मपुराण पर आधारित जैन रामायण कथा का होगा संगीतमय आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। गणाचार्य कुन्थी सागर महाराज एवं णमोकार तीर्थ नासिक के प्रणेता आचार्य देव नन्दी महाराज के परम प्रभावक शिष्य विशिष्ट राम कथाकार, अनुष्ठान विशेषज्ञ, ध्यान दिवाकर, मुनि प्रवर 108 जयकीर्ति मुनिराज के सानिध्य में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर एवं जैन कनेक्ट के संयुक्त तत्वावधान में गुलाबी नगरी जयपुर की पुण्य धरा पर पहली बार दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में रविवार, 18 मई से मंगलवार, 27 मई, 2025 तक पद्मपुराण पर आधारित जैन रामायण कथा के संगीतमय आयोजन के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन भट्टारक जी की नसिया में प्रवासरत मुनि जयकीर्ति महाराज के सानिध्य में किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। इससे पूर्व दुर्गापुरा जैन मंदिर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड एवं महामंत्री राजेन्द्र काला के नेतृत्व में मुनि श्री को श्रीफल भेंट कर दुर्गापुरा पधारने हेतु निवेदन किया गया। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल छाबड़ा, मनीष बैद, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, जयपुर जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया, जिला महामंत्री सुभाष बज, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राजस्थान अंचल अध्यक्ष कमल बाबू जैन, श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी ट्रस्ट दुर्गापुरा के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड, मंत्री राजेन्द्र काला, जैन कनेक्ट के अतीव जैन, अनुज जैन, अविनाश जैन, कमल जैन, शैलेन्द्र जैन, राहुल पापड़ीवाल, डॉ सुधीर भण्डारी, डॉ पी सी जैन, श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ सेवा समिति बापूनगर के नवीन सांघी, सुरेन्द्र मोदी, रमेश बोहरा, मनोज झांझरी, दिगम्बर जैन महिला महासमिति की अंचल अध्यक्ष शकुन्तला बिन्दायक्या,त्रिवेणी नगर से नरेश कासलीवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठी जन शामिल हुए।

8-5-2025

राकेश सेठी-सरोज सेठी

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छु: चंचल देवी, नवीन विनीता, कमल मधु, मनीष नीरज, नवीन मीनाक्षी, राहुल मोनिका, रोहित कीर्ति, वैभव ,अर्चित, विविधा नेहल, कीर्तिका, आदित्य, हार्दिक, गहना, दवीश, मानवी, अनिका, दक्ष ,दीक्षा , ईशान एवं समस्त बडजात्या परिवार नसीराबाद, जतन जी पंसारी, (जैन टिफिन सेन्टर) (सुरभि सलोनी समाचार पत्र राहुल जैन 9413135797) (ब्यूरो चीफ अहिंसा क्रांति समाचार पत्र) (शाबाश इंडिया समाचार पत्र) (अनोखी पत्रिका समाचार पत्र) (न्यूज फ्लैश चैनल, रोहित जैन (8575455555) नसीराबाद

वर्कशॉप में जानी यातायात नियमों की जानकारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेरी गेट स्थित श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल के कॉनवेंशनल हॉल में यातायात नियमों से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यशाला में यातायात विभाग जयपुर ट्रेफिक इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार एवं ट्रेफिक हैड कांस्टेबल प्रेम सिंह ने बच्चों को यातायात के नियमों की जानकारी दी। कार्यशाला में बच्चों को रेड, यलो एवं ग्रीन लाईट तथा जैबरा क्रासिंग आदि के अलावा यातायात नियमों की अवहेलना करने पर लगने वाले विभिन्न आर्थिक दंड़ की भी बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी तो दी ही साथ ही यह भी बताया कि लाइसेंस, हैलमेट, विभिन्न यातायात संकेत चिन्ह की पहचान सुरक्षा की दृष्टि से कितने जरूरी है। दौरान उन्होंने आदेशात्मक सूचना बोर्ड, चेतावनी सूचक साईन बोर्ड एवं सूचनात्मक साईन बोर्ड की जानकारी के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण हैल्प लाईन नम्बर जैसे पीसीआर- 1033, फायर ब्रिगेड एम्बूलेंस पुलिस-102, महिला हैल्पलाइन नं- 1090 की भी जानकारी दी। इस वर्कशॉप में कक्षा 9 से 12 तक लगभग 300 स्टूडेंट्स ने बडे उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया एवं दी गई जानकारी को आत्मसात किया। स्कूल सचिव कमल नानूवाल ने बताया कि इस प्रकार की वर्कशॉप से बच्चों को यह महत्तवपूर्ण जानकारी मिलती है कि तेज वाहन चलाने से बचना चाहिए तथा यातायात नियमों की जानकारी वाहन चलाने से पहले महत्वपूर्ण है। बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने पर क्या जुमार्ना लग सकता है यह भी जानना जरूरी है। साथ ही बच्चें अपने माता-पिता को भी यह अवगत करवायेंगे कि यातायात नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। अंत में प्राचार्या अमिता कूलवाल ने बताया कि यह वर्कशॉप बहुत ही ज्ञानवर्धक रही। जिसमें बच्चों ने ट्रेफिक से संबंधित विभिन्न नियमों की जानकारी तो ली ही साथ ही ट्रेफिक नियमों को लेकर अपनी-अपनी जिज्ञासाएं भी प्रश्न पूछकर प्रकट की।

आपरेशन सिंदूर पर गुरुदेव श्री श्री रविशंकर का संदेश

आतंकवाद मानवता के खिलाफ है और इसे पूरी तरह से समाप्त करना ही होगा। जो लोग संवाद और बातचीत से नहीं समझते, उन्हें उनके दुष्कर्मों की सजा मिलनी ही चाहिए और उनको सबक सिखाना आवश्यक है। अगर आप देवी-देवताओं के चित्रों को भी देखें, तो पाएँगे कि उनके एक हाथ में फूल होता है और दूसरे हाथ में शस्त्र। इस संदर्भ में, भारत ने एक बहुत ही विवेकपूर्ण और समझदारी भरा कदम उठाया है। उसने केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है। यह सराहनीय है। इस समय मैं भारत और विदेशों में रहने वाले सभी भारतीयों से कहना चाहता हूँ– जो युद्ध को लेकर बहुत चिंता और तनाव में हैं–

घबराएँ नहीं। शांत रहें, धैर्य रखें।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सही निर्णय ले रहा है।

ईश्वर हमारे साथ हैं।

इसलिए यह विश्वास रखें–

सब शुभ होगा। सब अच्छा होगा।

ॐ शांति।

जिस घर में संकलेष रहता है, लक्ष्मी वहां से रूठकर भाग जाती है: आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज

इंदौर. शाबाश इंडिया। महती पुण्य के प्रभाव से आपका जन्म जैन कुल में हुआ और आप आज देव ,शास्त्र, गुरु की भक्ति कर रहें हैं। समयसार ग्रंथ में कुंदकुंद स्वामी महाराज से पूछा गया कि दुनिया में सबसे सुंदर चीज कौन सी है तब उन्होंने बताया कि वह है हमारी आत्मा । आत्मा ही परमात्मा बनती है। उक्त विचार आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ने आज श्री चंद्र प्रभु मांगलिक भवन अंजनी नगर में व्यक्त किये। आपने सिद्धालय में विराजमान भगवान के विषय में कहा कि है भगवान अवगुण आपको छू तक नहीं पाएं, हम आपके गुणों को नमस्कार करते हैं, हम चाहते हैं कि हमें भी आपके गुणों की प्राप्ति हो। गुरुदेव कहते हैं कि संकलेष आपके मन मस्तिष्क से निकालना है। आज भाई-भाई में बहन- बहन में आदमी - औरत में क्लेश है। बीमारी संकलेष से आती है। जिस घर में संकलेष रहता है, वहां से लक्ष्मी रूठ कर भाग जाती है। पहले एक व्यक्ति कमाता था सारा घर खाता था और आज सारा घर कमाता है फिर भी हम कर्ज में हैं । आज हम सभी अपने कर्तव्यों से दूर हो गए हैं। मन में कुछ , वचन में कुछ है, इसीलिए दुखी है। घर से नवदा भक्ति नहीं जाना चाहिए। आज भगवान महावीर स्वामी का ज्ञान कल्याणक है उनसे प्रार्थना करते हैं कि हमें भी जीने की कला सिखाएं, इस अवसर पर लघु विधान भी किया गया। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ने आज अंजनी नगर, कालानी नगर के जिनालयों के दर्शन किए और शाम को संघ का विहार गोमट गिरी की ओर हो गया। इस अवसर पर समाज श्रेष्ठी राजेश वेद, आशीष वेद , संजय पापड़ीवाल, विनोद गंगवाल, पवन पाटोदी, सुनील गोधा, सोनू वेद, विवेक ठाकुर सहित बहुत अधिक संख्या में समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत राजेश वेद , सतीश जैन, संजय पापड़ीवाल, राजेश गंगवाल , पवन पाटोदी के द्वारा गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के चित्र के अनावरण व दीप प्रज्वलन से हुई।

वेद ज्ञान

सद्गुणों का महत्व

परिस्थितियां कैसी भी विषम क्यों न हों, राह पर चलते जाना ही धर्म है। गुण स्वभाव का अंग हो जाते हैं तभी उन्हें गुण कहा जाता है। स्थितियों के अनुसार उन्हें अपनाना या त्याग देना सबसे बड़ा अवगुण है। शीतलता चंदन का गुण है, जो हर हाल में बना रहता है। चंदन के पेड़ पर कितने ही विषैले सांप लिपटे हों, उसकी शीतलता बनी रहती है। यदि एक वृक्ष अपने गुणों पर इस तरह दृढ़ रह सकता है, तो मनुष्य क्यों नहीं, जिसे ईश्वर ने बौद्धिक चेतना प्रदान कर उसे जीवों में विशिष्ट बना दिया है। दया, परोपकार, क्षमा, दान और साहचर्य जैसे तत्व मनुष्य की रचना में ही समाहित हैं और उन पांच तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनसे यह तन बना है। इनसे विरत होना अपने संरचनात्मक स्वभाव से दूर जाना है। भूमि, जल, वायु, अग्नि और क्षितिज एक साथ बने रहते हैं तो सृष्टि का अस्तित्व है और मनुष्य का भी। इनका असंतुलन यदि सृष्टि को विनाश की ओर ले जाने वाला है, तो मनुष्य को भी। जीवन में तमाम समस्याओं से सामना होता रहता है। मनुष्य का धर्म है कि सहज रहकर अपने गुणों से उनसे पार पाने की चेष्टा करे। किसी का भी जीवन कभी भी निष्कंटक नहीं रहा है। संसार में जो महापुरुष हुए हैं, उन्होंने भी असीम दुख सहे। उनके मार्ग में रोंगटे खड़े कर देने वाली बाधाएं आईं, किंतु वे अविचलित रहे तो अपने सद्गुणों के कारण। इसीलिए आज उनकी पूजा होती है। उनकी उपलब्धियों को संसार ने याद रखा है। वास्तव में सुख और दुख की अवधारणा ही दोषपूर्ण है। मनुष्य कर्मों की पूंजी एकत्र करता चले, तो वह सुख और दुख से ऊपर उठ जाता है और निर्लिप्त अवस्था प्राप्त कर लेता है। मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार ही फल मिलना है। हर मनुष्य को जीवन में सम्मान और प्रतिष्ठा चाहिए। माना जाता है कि अंततोगत्वा सुख इसी से मिलता है। धन, संपदा, कुल, वंश, ज्ञान पद की प्राप्ति का मनोरथ तो समाज में सम्मान और आदर पाना ही है। सद्गुणों से प्राप्त सम्मान स्थाई रहता है, किंतु ऐसा मनुष्य उस आत्मिक अवस्था को प्राप्त कर चुका होता है जहां मान व अपमान, निंदा और स्तुति उसके लिए बेमानी हो जाते हैं।

संपादकीय

ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को सबक

पहलगाम हमले के बाद जिस तरह दुनिया के अनेक देश भारत के समर्थन में खड़े नजर आ रहे हैं, उससे निश्चय ही पाकिस्तान में पल रहे आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक युद्ध को बल मिला है। सब जानते हैं कि पाकिस्तान सदा से भारत के विरुद्ध आतंकवाद को पोसता और एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। विश्व आतंकवाद की सूची में भी वह दुनिया में सबसे ऊपर के देशों में शुमार है। इसलिए चीन को छोड़ कर

शायद ही किसी का पाकिस्तान को खुला समर्थन है। पहलगाम की घटना के बाद देश में जनाक्रोश है। पर सरकार अभी रणनीतिक रूप से संयम बरत रही है, तो उसकी वजहें साफ हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा है कि सैन्य कार्रवाई समस्या का समाधान नहीं है। मगर रूस, जापान, अमेरिका आदि ने आतंकवाद से निपटने में भारत का समर्थन किया है। फिर भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। पहलगाम हमले के बाद से ही वह लगातार नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी कर रहा है। वह संघर्ष विराम का उल्लंघन कर एक तरह से भारत को उकसा रहा है। मगर भारत अभी सही समय के इंतजार में है। यह तो साफ है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए केवल सैन्य कार्रवाई काफी नहीं है। उसके खिलाफ लंबे वक्त की रणनीति बना कर हमले करने होंगे। इसलिए सरकार ने पहले उस पर आर्थिक आघात करने का निर्णय किया। उसमें सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया गया, पाकिस्तान से किसी भी प्रकार का आयात-निर्यात रोक दिया गया। माली बदहाली के बुरे दौर से गुजर रहे पाकिस्तान पर ये दो बड़े हमले हैं। उसके बाद सेनाध्यक्षों को कार्रवाई के लिए खुली छूट दे दी गई है। अब कई राज्यों में हवाई हमलों के वक्त नागरिकों को सतर्क रहने और सुरक्षा के अभ्यास कराए गए हैं। जाहिर है, जमीनी जंग की तैयारियां भी चल रही हैं। हालांकि कुछ लोग अब भी दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं कि पाकिस्तान पर हमले में देर नहीं होनी चाहिए। मगर अब तक के अनुभवों से जाहिर है कि तात्कालिक प्रतिक्रिया में की गई कार्रवाइयों का कोई उल्लेखनीय और स्थायी प्रभाव नहीं पड़ा है। पुलवामा और उड़ी हमले के बाद सेना ने पाकिस्तान सीमा में घुस कर लक्षित हमले किए थे, पर हकीकत यही है कि वहां आतंकी प्रशिक्षण शिविर बंद नहीं हुए हैं। ऐसे में, अगर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक युद्ध के लिए ठंडे दिमाग से रणनीति बनाई जा रही है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि उसका उल्लेखनीय नतीजा निकल सकता है। पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजंसी आइएसआइ आतंकवादी संगठनों को संरक्षण और प्रशिक्षण देती रही हैं। जाहिर है, इन दोनों को सबक सिखाए बगैर इस समस्या पर काबू पाने का भरोसा नहीं दिलाया जा सकता। मगर इसके लिए सैन्य कार्रवाई के समांतर ही वहां की सियासी हुकूमत पर नकेल कसना भी जरूरी है। हालांकि पाकिस्तान एक तरह से दुनिया से अलग-थलग पड़ चुका है और चीन की इमदाद पर उसका गुजारा चल पा रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

न्यायाधीशों की पहल

यह संयोग ही है कि दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर मिले कथित नोटों की जांच के लिए गठित तीन न्यायाधीशों की समिति ने जिस दिन अपनी रिपोर्ट प्रधान न्यायाधीश को सौंपी, ठीक उसके अगले दिन सर्वोच्च न्यायालय के 21 न्यायमूर्तियों ने अपनी संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा भी की। इन तमाम जजों की जायदाद का पूरा ब्योरा अब सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध है। निस्संदेह, यह एक सराहनीय पहल है और न्यायपालिका में व्यापक पारदर्शिता के लिहाज से अनुकरणीय भी सुप्रीम कोर्ट की इस कवायद की अहमियत इसलिए भी अधिक है कि यह हमारी शीर्ष न्यायपालिका की प्रतिबद्धता दर्शाती है। दरअसल, कुछ विसंगतियों के बावजूद भारतीय न्यायपालिका की दुनिया भर में काफी प्रतिष्ठा है और उच्च न्यायपालिका के एकाधिक प्रकरणों से इसकी छवि को कोई चोट न पहुंचे, इसके लिए बहुत जरूरी है कि इसकी कार्य-प्रणाली में अधिकाधिक पारदर्शिता बरती जाए। हमारे संविधान निर्माताओं ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों का विभाजन करते हुए जिस दूरदर्शिता का परिचय दिया और उनके बीच जो शानदार संतुलन साधा, भारतीय लोकतंत्र उसका जीवंत प्रमाण है। इसके तीनों अंगों ने पिछले साढ़े सात दशकों में अपनी सांविधानिक शक्ति के दायरे में एक-दूसरे को नियंत्रित और संवर्द्धित किया है। ऐसे कई मौके आए, जब विधायिका व कार्यपालिका के निर्णयों को असांविधानिक बताते हुए न्यायपालिका ने निरस्त किया और शेष दोनों अंगों ने शीर्ष अदालत फैसले के आगे अपना सिर नवा दिया। आखिर न्यायपालिका के पास ही संविधान के संरक्षण की शक्ति है। मगर कोई भी तंत्र या व्यवस्था अपनी शक्तियों के साथ तभी न्याय कर सकती है, जब उसके शीर्ष नेतृत्व की प्रतिबद्धता संदेह से परे हो। न्याय के आसन पर बैठे लोगों के लिए तो यह और भी आवश्यक है कि उनकी ईमानदारी और आचरण पर किसी किस्म की उंगली न उठे। भारतीय न्यायपालिका की प्रतिष्ठा का एक बड़ा आधार भी यही रहा है कि जब कभी उच्च न्यायपालिका के किसी जज के आचरण पर सवाल उठे, शीर्ष अदालत ने त्वरित कदम उठाया और संतोषजनक कार्रवाई की। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का प्रकरण इसका सबसे ताजा उदाहरण है। 14 मार्च को कथित रूप से उनके सरकारी आवास से नकदी पाए जाने की खबर जैसे ही सामने आई, प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने बगैर वक्त गंवाए न सिर्फ दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से इस संबंध में रिपोर्ट मंगाई, बल्कि मामले की जांच के लिए तीन हाईकोर्टों के मुख्य न्यायाधीशों की एक कमेटी गठित की और जांच पूरी होने तक न्यायमूर्ति वर्मा को अदालती कार्यवाही से दूर रहने का आदेश दिया। अब जब रिपोर्ट सौंप दी गई है, तो यकीनन उसके निष्कर्षों के अनुरूप कार्रवाई भी होगी और देश को सच का पता भी चलेगा। दुर्योग से अन्य क्षेत्रों में विरले ही ऐसी तत्परता देखने को मिलती है और शायद यही वजह है कि ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की ''करप्शन परसेप्शन इंडेक्स'' में हमारी स्थिति अच्छी नहीं है। बहरहाल, शीर्ष अदालत के माननीय जजों ने अपनी जायदाद सार्वजनिक करके जो मिसाल कायम की है, उसे न्यायपालिका के निचले स्तर तक ले जाने की जरूरत है, क्योंकि हमारी शीर्ष न्यायपालिका की जो अच्छी छवि है, निचली अदालतों के बारे में ठीक वैसी ही धारणा नहीं है।

अग्रवाल समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारी को लेकर हुई सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रसेन महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में 20 वां अग्रवाल सामूहिक विवाह सम्मेलन 8 जून को अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में आयोजित होगा। इस विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक ट्रस्ट कार्यालय देश भूषण धर्मशाला में हुई।बैठक में काफी संख्या में समाज की महिला व युवा संगठनों के पदाधिकारी जुटे और आयोजन को सफल कैसे बनाया जाए,इस पर चर्चा की। ट्रस्ट के अध्यक्ष पवन लश्करी व महासचिव गिरजा शंकर तुरकाशवाला ने बताया कि अब तक पांच जोड़ों का पंजीयन हो चुका है स करीब 8 से 10 जोड़ों के पंजीयन प्रगति पर चल रहे हैं। बैठक में अरविंद अग्रवाल 'सुरेश ग्रुप', गिरधारी लाल कागदी, लालचंद मावा वाले, गोपाल कृष्ण सीपरिया, राजेंद्र कुमार नारनोली, रेखा लोडका, दीपिका जैन तुरकाशवाला व दीपक गुप्ता आदि सम्मिलित हुए स मुख्य संयोजक सतीश कुमार मजूमवाले ने बताया कि उपस्थितजनों ने सम्मेलन की सफलता के लिए अपने सुझाव दिए स सामूहिक विवाह सम्मेलन के माध्यम से ''बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ'' के साथ साथ दहेज उन्मूलन को भी बढ़ावा मिलता है। इस अवसर पर जोड़ों का विवाह वैदिक रीति रिवाज से दोपहर में भगवान सूर्य की साक्षी में संपादित कराए जाएंगे।

रत्न चोबीसी भगवान कि भव्य शोभा यात्रा निकाली वरूण पथ मानसरोवर में

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एम पी जैन ने बताया कि सर्वांग भूषण आचार्य चेत्य सागर जी महाराज के आशीर्वाद से हो रहे तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में आज द्वितिय दिन रत्न चौबीसी भगवान एवं नंदीश्वर दीप के 52 जिनालयो का 31 इंद्र इंद्राणीयो एवं संपूर्ण जैन समाज मानसरोवर द्वारा भव्य जुलूस स्वर्ण पथ, नीलम पथ, पुखराज पथ एवं किरण पथ से होते मंदिर जी पहुंचा। प्रचार संयोजक जिनेश कुमार जैन ने बताया कि मंदिर जी में 31 महिलाओं ने सर पर मंगल कलश लेकर श्री जी कि अगुवानी कि एवं सभी इंद्रो ने श्री जी को पांडूशीला पर विराजमान किया । और राजेंद्र कासलीवाल परिवार प्रथम अभिषेक एवं शांति धारा के पुन्यार्जक पदम चंद राजेश कुमार भरतपुर वाले रहे। मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि वेदी में विराजमान मूल नायक महावीर भगवान के मस्तक के ऊपर तीन छत्रों का लोकार्पण शोधर्म इंद्र पूरणमल विमल चंद अनोपडा परिवार ने किया एवं रथ में दो महेंद्र इंद्र संतोष - मंजू कासलीवाल और अजीत - अंजू बज परिवार रहे और मंदिर जी का द्वार खोलने के पुन्यार्जक मंजू छाबड़ा परिवार राजावास वाले रहे। संगठन मंत्री विनेश सोगानी एवं उप संगठन मंत्री मुकेश कासलीवाल ने सभी अतिथियों को तिलक लगाकर एवं उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनी व कोषाध्यक्ष कैलाश सेठी ने माला एवं साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया। सतीश कासलीवाल ने बताया कि प्रतिष्ठाचार्य चीकू भैया के सानिध्य में श्री जी को वेदीयो में विराजमान किया और देव शास्त्र गुरु की पुखराज एंड नविन पार्टी कोटा के द्वारा साजो से पूजा की गई। साथ ही गुरुवार को भगवान महावीर का तेईसवां पंचकल्याणक स्थापना दिवस मनाया जाएगा जिसमें श्री जी के अभिषेक पूजा के बाद सामाज कि सामूहिक गोठ होगी। प्रचार संयोजक: जिनेश कुमार जैन

बच्चों के समग्र विकास के लिए आयोजित होगा ''ग्रीष्मकालीन शिविर''

3 से 17 साल तक के बच्चों के लिए होंगी विभिन्न गतिविधियां

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु दिनांक 17/5/25 से 6/6/25 तक विद्यालय परिसर में एक विशाल ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन करने जा रहा है। इस शिविर का आयोजन बड़ी ही अनूठी योजना के साथ किया जा रहा है, जो कि बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास के साथ उनमें सकारात्मक मूल्यों को भी आरोपित करेगा। इस शिविर में बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां होंगी, जिनमें भाग लेकर बच्चा अपनी छुट्टियों का सदुपयोग कर सकता है। बच्चों के लिए बास्केटबाल, वॉलीबाल,जूडो, फुटबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट, स्केटिंग, सेल्फ डिफेंस, ड्रोन ट्रेनिंग, ड्रामाटिक्स, डांस (क्लासिकल एंड कंटेंपरेरी), वोकल म्यूजिक, इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक, एस्ट्रोनॉमी,आर्ट एंड क्राफ्ट आदि खेल व गतिविधियां रखी गई हैं ।इस शिविर का मुख्य आकर्षण यह है कि इसमें बच्चों के स्तरानुसार बैचेस होंगें, जिसमें क्वालिफाइड ट्रेनर्स एवं कोचेस द्वारा स्किल्स डेवलप की जाएंगी। शिविर में प्री-प्राइमरी स्तर के बच्चों हेतु भी समर एक्टिविटीज रखी गई हैं, जिसमें क्ले क्रिएशन,आर्टफुल टोटस, पॉटरी आर्ट,आर्टिस्टिक मास्क, क्रिएटिव कैनवास के साथ कुछ ट्रेडिशनल गेम्स जैसे- सितोलिया,खो-खो, टग ऑफ वॉर,चौसर, विष-अमृत, कोकला छपकी आदि रखे गए हैं। छोटे बच्चे मैजिक शो, पूल पार्टी, आउटडोर एडवेंचर, म्यूजिक एंड डांस आदि का भी लुत्फ उठा सकेंगे।शिविर के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन करवा कर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं और अपनी छुट्टियों का सदुपयोग कर सकते हैं।

प. बंगाल, झारखंड, उड़ीसा में होगा, ज्ञान संस्कार शिक्षण शिवरों का शांखनाद

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र 10 के पदाधिकारी ने किया किट का विमोचन

सागर. शाबाश इंडिया। सराकोध्दारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के जन्म दिवस के पावन अवसर पर आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माता जी , गणिनी आर्यिका श्री आर्ष माता जी माता जी, आर्यिका श्री सुज्ञान मति माता जी के आशीर्वाद से भारतवर्षीय सराक ट्रस्ट दिल्ली के तत्वावधान में पश्चिम बंगाल,उड़ीसा, झारखंड के विभिन्न स्थानों पर 8 मई 2025 से ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन होगा।शिविरों में अध्यापन के लिए वरिष्ट एवं युवा विद्वानों के साथ कला विशेषज्ञ की विदुषी महिलाऐं भी अपना योगदान दे रही हैं। शिक्षण शिविरों में ज्ञान दर्पण भाग 1, 2 पूजन शिविर,मेहंदी, सिलाई, नृत्य आदि की क्लास है संचालित होंगी ।शिविरों के आयोजन ज्ञान यज्ञ में सभी ने अपने धन का दान देकर सहयोग किया।

शिविर मुख्य संयोजक मनीष विद्यार्थी सागर ने बताया कि परम पूज्य सराकोध्दारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा से बंगाल, झारखंड,उड़ीसा के क्षेत्र में पाठशाला, होम्योपैथिक अस्पताल, मंदिर, धर्मशाला एवं समाज हित के अनेक कार्य हुए हैं। सन 2000 से अब तक शिक्षण शिविरों के माध्यम से धार्मिक शिक्षा एवं नैतिक शिक्षा का ज्ञान की क्लासों के माध्यम से बच्चों को संस्कार दिए जा रहे हैं भारतीय संस्कृति में पश्चात संस्कृति का प्रवेश होना हमारा पतन का कारण है, इसी कारण ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन संस्कार शिविरों का आयोजन होता आ रहा हैं। शिविर निर्देशक ब्र. मंजुला दीदी,ब्र. मनीष भैया ने कहा कि आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज ने भारतवर्ष में ज्ञान और शाकाहार का शंखनाद किया हमारा भी कर्तव्य है, कि हम उनके आदर्श पर चलें उनके जन्मदिवस के पावन अवसर पर उनके द्वारा बताए गए मार्ग का अनुशरण कर,लोगों को अनुशरण करायें।

ग्राम मदार में ''गौरव जल मंदिर'' का भव्य शुभारंभ, ग्रामीणों को मिलेगा स्वच्छ जल

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मदार, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ जल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए गौरव भंडारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में गौरव भंडारी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय, मदार में गौरव जल मंदिर का शुभारंभ किया गया। यह जल मंदिर न केवल विद्यालय की छात्राओं, बल्कि आसपास के ग्रामीणों को भी स्वच्छ और शीतल जल उपलब्ध कराएगा। इस उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनाक्षी चौबिसा ने की एवं नाहरसिंह भंडारी मुख्य अतिथि रहे। विशेष अतिथियों में हीरालाल जी शर्मा, निर्मल जी कंठालिया, विनीत जैन, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से इन्द्रसिंह जी राणा, एसएमसी सदस्य भगवती लाल जी चास्टा, शांतिलाल जी भंडारी, सहित अनेक प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे। फाउंडेशन की ओर से हेमंत भंडारी, गौतम भंडारी, पवन भंडारी, हिमांशु भंडारी, संजय धाकड़, रोमिल धाकड़, अशोक इंटोदिया, पियूष इंटोदिया, अमर सिंह सेठ, श्याम सुंदर सेठ, ख्याली लाल नावेडीया, दिनेश धाकड़, दीपक वया, सुनील लोढ़ा, रमेश चपलोत, योगेश सिंघवी समेत अनेक सदस्य एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। महिला प्रतिनिधियों में ललिता भंडारी, नीता जैन, कैलाश नावेडीया, मधु तलेसरा, स्नेहलता लोढ़ा, रेखा सिंघवी, सुनीता भंडारी, रितु भंडारी, अंजना भंडारी, सुरभि भंडारी, पुष्पा धाकड़, प्रेमलता धाकड़, अनीता धाकड़, शीला धाकड़, लाडजी धाकड़, लीला सेठ, डा. निमिषा जैन, इशिता भंडारी आदि की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में श्रीमती सुमन राव के योगदान की विशेष सराहना की गई। जल मंदिर के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छ जल की सहज उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे जलजनित बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलेगी। यह पहल न केवल एक सामाजिक सेवा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक सकारात्मक संदेश है।

सुमतिधाम से हुआ गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का मंगल विहार

कोटा. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ (5 पिच्छी) का पट्टाचार्य महोत्सव के पश्चात सुमतिधाम से मंगल विहार हुआ। श्रमणों के इस महाकुंभ का समापन निर्विघ्न सम्पन्न हुआ। सभी ने हर्षोल्लास पूर्वक इस महोत्सव का आंनद प्राप्त किया। माताजी ससंघ बीस पंथी मंदिर इंदौर में विराजमान है। पूज्य गुरु मां ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - जीवन में यदि ऊंचाइयों को प्राप्त करना चाहते हैं तो अपने हुनर को सबके सामने दिखा दो, सफलता अपने आप आयेगी। सफलता की पोशाक कभी तैयार नहीं मिलती इसे बनाने के लिए मेहनत का हुनर चाहिए। कामयाबी यूं ही नहीं मिलती इसके लिए असफलता का स्वाद चखना पड़ता है। अगर आप में कुछ कर गुजरने का जुनून , मन में विश्वास हो तो कोई भी व्यक्ति आप को कामयाब होने से नहीं रोक सकता। सफलता एक दिन में नहीं मिलती पर ठान लो तो एक दिन जरूर मिलती है।

केवलज्ञान दिवस पर हुई ज्ञान गोष्ठी

भगवान महावीर के केवलज्ञान दिवस पर हुई विशेष पूजन

सनावद. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के केवलज्ञान प्राप्ति दिवस पर बुधवार को पार्श्व ज्योति मंच द्वारा ज्ञानगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के जलाभिषेक, शांतिधारा के बाद राकेश जैन, राजू जैन, कमलेश जैन, नरेश पाटनी, संतोष बाकलीवाल ने विशेष पूजा की। पार्श्व ज्योति मंच के महामंत्री बसंत पंचोलिया ने बताया कि वैशाख शुक्ल दसवीं को केवलज्ञान दिवस पर मंच कार्यालय पर ज्ञानगोष्ठी हुई जिसमें जैन धर्म को अनादि निधन शाश्वत धर्म बताते हुए डॉ. नरेंद्र जैन भारती ने बताया कि वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ तथा चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी है। जिन्होंने बाल्यावस्था व्यतीत होने पर वैराग्य धारण कर 12 वर्ष की कठोर तपस्या के बाद केवलज्ञान प्राप्त किया था। केवलज्ञान उत्पन्न होने पर सौधर्म इंद्र ने आकर आपकी पूजन कर समवशरण की रचना की थी जिसमें भगवान महावीर स्वामी ने सम्यक ज्ञान दिया था। लोगों की यह भ्रांत धारणा है कि जैन धर्म के संस्थापक भगवान महावीर स्वामी हैं। शुभम जैन ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी की समवशरण रूपी सभा में देव, मनुष्य, विद्याधर के साथ सभी ने आत्म कल्याण के लिए धर्म श्रवण किया था। नरेंद्र पंचोलिया ने भगवान महावीर स्वामी के जीवन एवं संदेशों को लोक कल्याणकारी बताया। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने महावीराष्टक का सामूहिक पाठ किया। सन्नू जैन, आशीष जैन, सलित जैन, आकाश डोषी, संध्या जैन, रेखा जैन, प्रिया जैन, वीनस जैन, निमिषा जैन आदि मौजूद थे।

हमारे देश का नाम भारत कैसे पड़ा विषय पर व्याख्यान आयोजित

लखनऊ. शाबाश इंडिया। जैन एकेडमी ऑफ स्कॉलर्स एवं श्री आदिनाथ मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा भारतीय संस्कृति के विकास में जैन धर्म का योगदान विषयक ऑनलाइन मासिक व्याख्यान माला मे आज 6 मई को डॉक्टर रिजवाना जमाल, लखनऊ ने हमारे देश का नाम भारत कैसे पड़ा विषय पर व्याख्यान दिया। जे. ए. एस. के निदेशक -डा. नरेंद्र भंडारी (अहमदाबाद) के निर्देशन में अध्यक्षता- डा. प्रभाकिरण जैन(दिल्ली) ने की संयोजक-शैलेंद्र जैन,लखनऊ ने संचालन किया, डॉ. जमाल ने बताया कि वैदिक साहित्य जैन तथा साहित्य एवं पुरातत्व के प्रमाण से यह बात स्पष्ट है कि हमारे देश का नाम दुष्यंत पुत्र के नाम से भारत ना होकर भगवान ऋषभदेव के जेष्ठ पुत्र भारत चक्रवर्ती के नाम से भारत होना प्रमाणित है। जैसा कि हमने अभीतक पढा है, लेकिन जब मैंने इस विषय मे अध्यन किया तो प्राचीन साहित्य मे अधिक तर

ऋषभदेव के पुत्र से भारत होने का समर्थन करते हैं जो पहले उनके पिता मनु नाभिराय से अजनाभ वर्ष कहा जाता था, डॉ नरेंद्र भंडारी ने कहा कि जब इतने प्रमाण उपलब्ध हैं तो इस विषय को पाठ पुस्तकों में क्यों नहीं लिया जाता हमें एक पत्र बनाकर के संबंधित विभाग से शिक्षा विभाग से संपर्क करना चाहिए एनसीईआरटी वालों से संपर्क करना चाहिए कि इस विषय में यथोचित सुधार करें, इस व्याख्यान माला की अध्यक्षता कर रही डॉक्टर प्रभाकिरण जैन कहा कि यह कार्य इतना आसान नहीं है इसमें विद्वानों को एवं समाज के समाजसेवियों को भी आगे आना चाहिए तथा साधुओं को इस ओर प्रयास करने चाहिए की कैसे युवा पीढ़ी के बीच में इन बातों को हम अधिक से अधिक प्रचारित कर सकें, मैंने पहले भी इस दिशा में अनेक प्रयास किए हैं एनसीईआरटी में जाकर के मिली थी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों से भी इस विषय में संपर्क किया है तथा अन्य अनेक वरिष्ठ विद्वानों से एवं गण मान्य राजनेताओं से मिली हूँ जैसा आपने कहा पत्र लिखू तो मैं ध्यान दूंगी एवं आगे इस दिशा में जो भी संभव होगा प्रयास हम करेंगे, संयोजक शैलेंद्र जैन ने बताया कि हम शुरू से ही निरंतर इसी दिशा में प्रयासरत है कि कैसे यह विषय पाठ्यपुस्तकों मे शामिल हो सके तथा इस विषय मे अन्य अनेक विद्वानों का हमे समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में लखनऊ पुस्तक मेला में आयोजित पुस्तक @भारतनामा पर हुई चर्चा मे वरिष्ठ विद्वानों ने इस विषय पर हमारे, ऋषभ पुत्र भरत से भारतवर्ष नामकरण, के पक्ष में अपना मत दिया है और इस महत्वपूर्ण शोध को सराहनीय कार्य बताया, आज की इस सभा मे अनेक सदस्ययो ने आनलाइन जुडकर लाभ लिया जिनमे मुख्य रूप से रमेश जी, ज्ञानचंद जी, यतीश जैन, सुवर्णा जैन, पूर्वी दवे आदि शामिल हुए, अंत मे संयोजक शैलेन्द्र जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। **संयोजक,शैलेन्द्र जैन,लखनऊ**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

आग उगलकर सिंदूरी प्रतिशोध...

इंजी. अरुण कुमार जैन

अभिनन्दन भारत की सेना आज तुम्हारा,
बनके काल दुश्मनों को तुमने जो मारा.
पहलगाम में निदोर्षों का खून बहाया,
छब्बीस बहिनों का उसने सिन्दूर उजाड़ा.
किया अनाथ शतादिक भारत वालों को,
आतंकी नर पिशाच, घुसे थे सीमा में जो.

मध्य रात्रि दागीं मिसाइलें वीरों तुमने,
जेसे मुहम्मद, लशकरे तोएबा को भूना तुमने.
पाकिस्तानी आका,जिनको संरक्षण देते,
किया धराशायीतुमने,
उन नर पिशाच को.
चीथड़े, चीथड़े कर डाला
पापी देहों को,
रोम रोम को बना दिया सिंदूरी तुमने.

आग उगलकर सिंदूरी प्रतिशोध लिया है,
क्या होता प्रतिशोध हमारा,
बता दिया है.
सिंदूर मिटाया था दानव ने,
तुमने फिर लगाया,
भारत माँ का पावन ललाट
ज्योतित करवाया.

शुभारम्भ है,बात बहुत आगे जायगी,
होगा प्रहार,
पापी की शामत आएगी.
समूल नष्ट हो आतंकवाद
दंड हर पापी पाये,
सेना भारत की विजय श्री,
हर पल, पग पाये.

संपर्क, अमृता हॉस्पिटल,
सेक्टर 88, फरीदाबाद, हरियाणा
मो. 7999469175